

NEWS FOR UPSC

UPSC

IAS/PCS

STATE EXAM

All Exam

ABHAY SIR

CURRENT AFFAIRS

30 Dec. 2024



यह चिंता छोड़िए
कि लोग आपके बारे में क्या
सोच रहे हैं;
वे तो स्वयं इस चिंता में डूबे हैं
कि आप उनके बारे में
क्या सोच रहे हैं!

- Topic 1:- शारीरिक संबंध का मतलब यौन उत्पीड़न नहीं:- दिल्ली HC
- Topic 2:- आज (30 दिसंबर) लॉन्च होगा ISRO का 'स्पैडेक्स'
- Topic 3:- शिवाजी स्टेच्यू नियर बॉर्डर
- Topic 4:- राखीगढ़ी

POCSO ACT



शारीरिक संबंध का मतलब यौन
उत्पीड़न नहीं:- दिल्ली HC

❑ Source :- दैनिक भास्कर

- ❑ POCSO एक्ट में एक मामले सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा :- नाबालिग पीड़िता के शारीरिक संबंध शब्द इस्तेमाल करने का मतलब यौन उत्पीड़न नहीं हो सकता।
- ❑ इस मामले की सुनवाई जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस अमित शर्मा की बेंच में हो रही थी।
- ❑ मामले की सुनवाई के साथ ही आरोपी को भी बरी कर दिया गया।
- ❑ जबकि इसी मामले में ट्रायल कोर्ट ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।
- ❑ बेंच ने अपने आदेश में कहा :-
- ❑ ट्रायल कोर्ट ने किस आधार पर निष्कर्ष निकाला कि यौन उत्पीड़न हुआ।

दिल्ली HC बोला- शारीरिक संबंध का मतलब यौन उत्पीड़न नहीं: दोषी साबित करने के लिए सबूत चाहिए; POCSO एक्ट के आरोपी को बरी किया

नई दिल्ली | 1 घंटे पहले



शेयर

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आजीवन कारावास के फैसले को रद्द कर दिया।

- ❑ जब पीड़ित खुद अपनी मर्जी से आरोपी के साथ गई थी, तो उसका यौन उत्पीड़न हुआ था या नहीं।
- ❑ **बेंच ने कहा-** शारीरिक संबंध या संबंध से यौन उत्पीड़न और पेनिट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट बताना सबूतों के मिलने पर तय करना चाहिए। केवल अनुमान लगाकर ये तय नहीं किया जा सकता।
- ❑ **दिल्ली हाईकोर्ट :-** यौन उत्पीड़न का केवल ये सबूत या आधार नहीं है कि पीड़िता 18 साल से कम है। पीड़िता ने शारीरिक संबंध शब्द का इस्तेमाल किया, लेकिन ये बात साफ नहीं है कि उसने इस शब्द का इस्तेमाल करके क्या कहा।
- ❑ **हाई कोर्ट :-** संबंध बनाया' शब्द का इस्तेमाल भी POCSO अधिनियम की धारा 3 या IPC की धारा 376 के तहत अपराध तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है।



POCSO Act is Gender Neutral says Delhi High Court

❑ हालांकि POCSO एक्ट के तहत अगर लड़की नाबालिग है तो सहमति मायने नहीं रखती, लेकिन 'शारीरिक संबंध' शब्द को 'यौन संभोग' तो दूर 'यौन उत्पीड़न' में भी नहीं बदला जा सकता।

❑ क्या कहती है POCSO ACT की धारा 3 और 5

❑ **धारा 3 :-** पेनिट्रेटिव यौन हमला से संबंधित है

❑ जिसमें कम से कम 10 वर्ष की सजा का प्रावधान।

❑ सजा को अपराध की गंभीरता को देखते हुए आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है।

❑ **धारा 4 :-** सजा के साथ ही जुर्माना लगाने का प्रावधान।

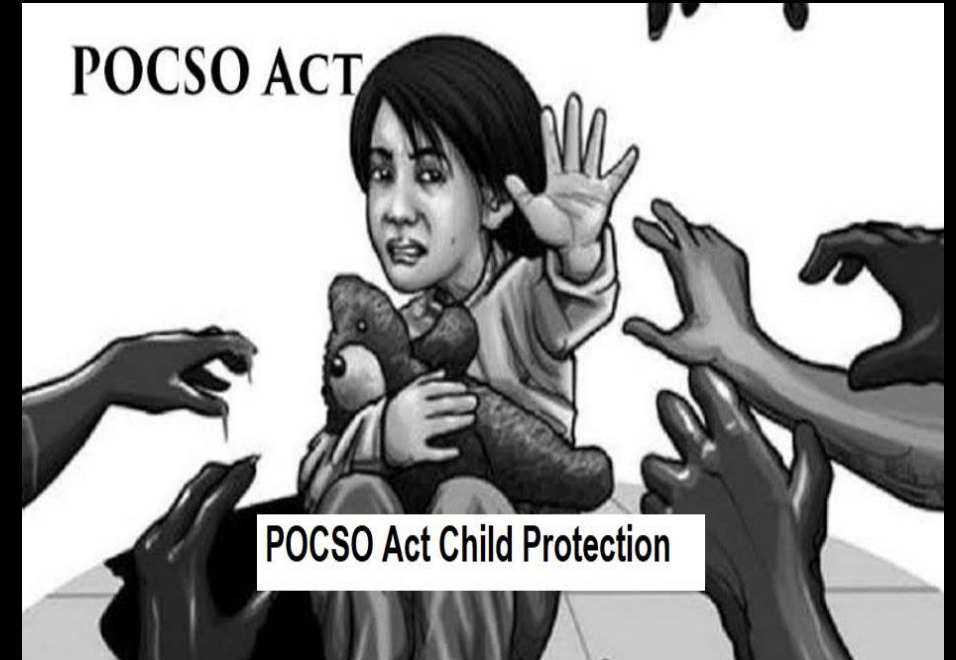
❑ **धारा 5 :-** गंभीर पेनिट्रेटिव यौन हमला से संबंधित है



- ❑ इसमें कम से कम 20 साल जेल की सजा का प्रावधान।
- ❑ इसमें आजीवन कारावास का प्रावधान।
- ❑ सजा को अपराध की गंभीरता को देखते हुए मृत्यु दण्ड तक बढ़ाया जा सकता है।
- ❑ **धारा 6 :-** सजा के साथ ही जुर्माने का प्रावधान।
- ❑ **पॉक्सो एक्ट :-**
- ❑ यह एक्ट 14 नवंबर 2012 को पूरे देशभर में लागू हुआ।
- ❑ यह एक्ट 18 वर्ष से कम के सभी नाबालिकों को कवर करता है।



- ❑ एक्ट में शोषण, यौन उत्पीड़न और चाइल्ड पोर्नोग्राफी जैसे मामलों में सजा और जुर्माने का प्रावधान किया गया है।
- ❑ इस कानून में फिजिकल के साथ ही ऑनलाइन हैरसमेंट को भी कवर किया गया।
- ❑ कानून पूरे भारत पर लागू, स्पेशल कोर्ट में 'इन कैमरा प्रोसीडिंग्स' होती है। यानि पब्लिक और मीडिया से बिल्कुल दूर।
- ❑ **पॉक्सो एक्ट (POCSO Act)** का पूरा नाम है "The Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012"। यह कानून भारत में बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस कानून का उद्देश्य बच्चों के खिलाफ यौन शोषण और यौन उत्पीड़न के मामलों को रोकना, इनकी जांच करना और दोषियों को सजा देना है।



□ इस एक्ट की मुख्य विशेषताएँ:

1. परिभाषा:

- इसमें 18 साल से कम उम्र के बच्चों को "बालक" या "बालिका" माना गया है।
- इसमें यौन उत्पीड़न, यौन शोषण, अश्लील साहित्य के माध्यम से बच्चों का शोषण आदि को अपराध माना गया है।

2. सख्त प्रावधान:

- हर प्रकार के यौन अपराध के लिए कठोर सजा और जुर्माने का प्रावधान है।
- विशेष अदालतों की व्यवस्था की गई है ताकि मुकदमों का त्वरित निपटारा हो।

Who's a child? | While most laws fix 18 as the age when one ceases to be a child, there are exceptions:

- The Majority Act, 1875 sets the age of majority at 18
- 61st Constitutional Amendment Act fixes the minimum voting age at 18
- POCSO Act, 2012 and Juvenile Justice Act, 2015 define a child as someone under the age of 18



- Right to Education Act, 2009 says a child is someone between the ages of six and 14

- Child Labour Amendment Act, 2016 says a child is someone under the age of 14 and an adolescent is aged between 14 and 18

3. बच्चों का संरक्षण:

- ❑ बच्चे के बयान के दौरान उसे सुरक्षा और गोपनीयता दी जाती है।
- ❑ बच्चे से बिना किसी डर और दबाव के बयान लेने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाती है।

4. सजा का प्रावधान:

- ❑ यौन उत्पीड़न: 3 से 5 साल तक की सजा और जुर्माना।
- ❑ गंभीर यौन अपराध: 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा।
- ❑ पोर्नोग्राफी में बच्चों का उपयोग करना: 5 से 7 साल तक की सजा।



5. गोपनीयता का अधिकार:

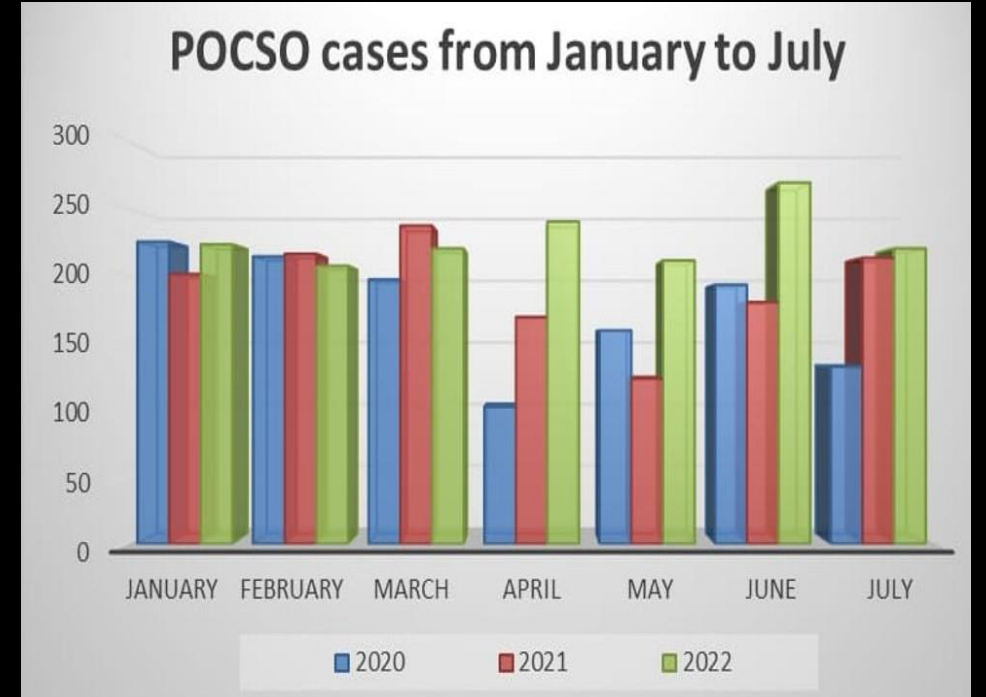
- ❑ पीड़ित बच्चे की पहचान सार्वजनिक नहीं की जा सकती।
- ❑ मीडिया रिपोर्टिंग में भी बच्चे का नाम, पता, या फोटो प्रकाशित करना प्रतिबंधित है।

6. डिजिटल अपराध:

- ❑ इस कानून के अंतर्गत ऑनलाइन यौन शोषण को भी अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया है।
- ❑ **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य:**
- ❑ इस कानून के अंतर्गत महिला और पुरुष दोनों बच्चों को समान सुरक्षा प्रदान की गई है।



- ❑ पॉक्सो एक्ट के तहत जांच 30 दिनों में पूरी होनी चाहिए और मामले का निपटारा एक साल के भीतर होना चाहिए
- ❑ किसी भी व्यक्ति द्वारा यौन शोषण की सूचना न देने को भी अपराध माना गया है
- ❑ **2021 में संशोधन:**
- ❑ सरकार ने बच्चों के यौन शोषण के मामलों में कठोर सजा के लिए संशोधन किया, जिसमें फांसी की सजा का प्रावधान भी जोड़ा गया है, खासकर गंभीर अपराधों के लिए
- ❑ यह कानून समाज में बच्चों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।



POCSO एक्ट से संबंधित प्रश्न UPSC Prelims संभावित प्रश्न :-

प्रश्न: POCSO अधिनियम, 2012 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह अधिनियम केवल लड़कियों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है।
 2. POCSO अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न का अपराध बाल अश्लीलता (Child Pornography) को भी शामिल करता है।
 3. इस अधिनियम के तहत 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को "बच्चा" माना गया है।
- उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है?

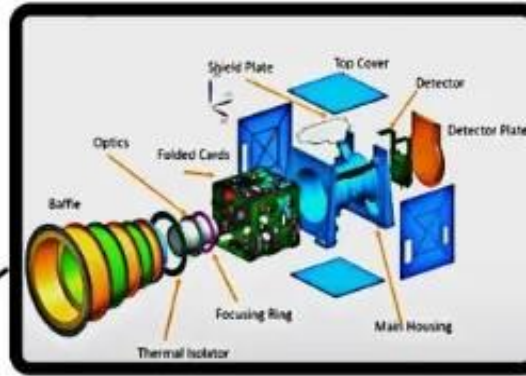
- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3



SPADEX

Navigation Sensors for Docking

Rendezvous Sensor	Proximity & Docking Sensor	Laser Range Finder	Rendezvous Processing Unit



आज (30 दिसंबर) लॉन्च होगा ISRO का 'स्पैडेक्स'

- ❑ **Source :-** जागरण न्यूज और इसरो द्वारा उपलब्ध जानकारी
- ❑ इसरो 'स्पैडेक्स' मिशन को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 30 दिसंबर को रात 9:58 पर लाँच करेगा।
- ❑ अंतरिक्ष यान पीएसएलवी- सी60 रॉकेट के साथ दो छोटे पेलोड एक साथ प्रक्षेपित किए जाएंगे।
- ❑ SPaDEX का पूरा नाम है "Space Docking Experiment"।
- ❑ इस मिशन की सफलता के साथ ही भारत अंतरिक्ष 'डॉकिंग' प्रौद्योगिकी में सक्षम दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।
- ❑ **अन्य तीन देश :-** अमेरिका, रूस और चीन।



Spadex Mission

The SPADEX mission is a collaborative initiative by the Indian Space Research Organisation (ISRO).

SPADEX, which stands for Space Docking Experiment, is a twin spacecraft mission with a focus on advancing technologies related to orbital rendezvous, docking, formation flying, and in-space satellite servicing.

CONTEXT
ISRO is gearing up for the Spadex mission, which is designed to demonstrate and showcase in-orbit docking capabilities.

ABOUT SPADEX MISSION

TWO SPACECRAFTS
The mission involves the launch of two spacecraft, namely the Chaser and the Target.

OBJECTIVE
A key objective of the SPADEX mission is to execute a complex and autonomous docking procedure in orbit.

CONSTITUTION
The technologies developed through SPADEX have applications in various areas, including human spaceflight, in-space satellite servicing, and other proximity operations.

Importantly, the mission plays a crucial role in enhancing the functionality of space stations.

INDIAN SPACE STATION
This development will position India alongside countries like the US, Russia, and China in having its own space station.

INDIA'S OWN SPACE STATION - BHARATIYA ANTARIKSHA STATION

SPACE STATION
India is set to launch its own space station, named Bharatiya Antariksha Station, by the year 2035.

SPACE STATION BENEFITS
The Indian space station is planned to be considerably smaller, with a mass of 20 tonnes, compared to the International Space Station. Its primary purpose

A space station is a habitable spacecraft designed to support human crewmembers and remain in space.

The SPADEX mission will play a

□ मिशन का उद्देश्य :-

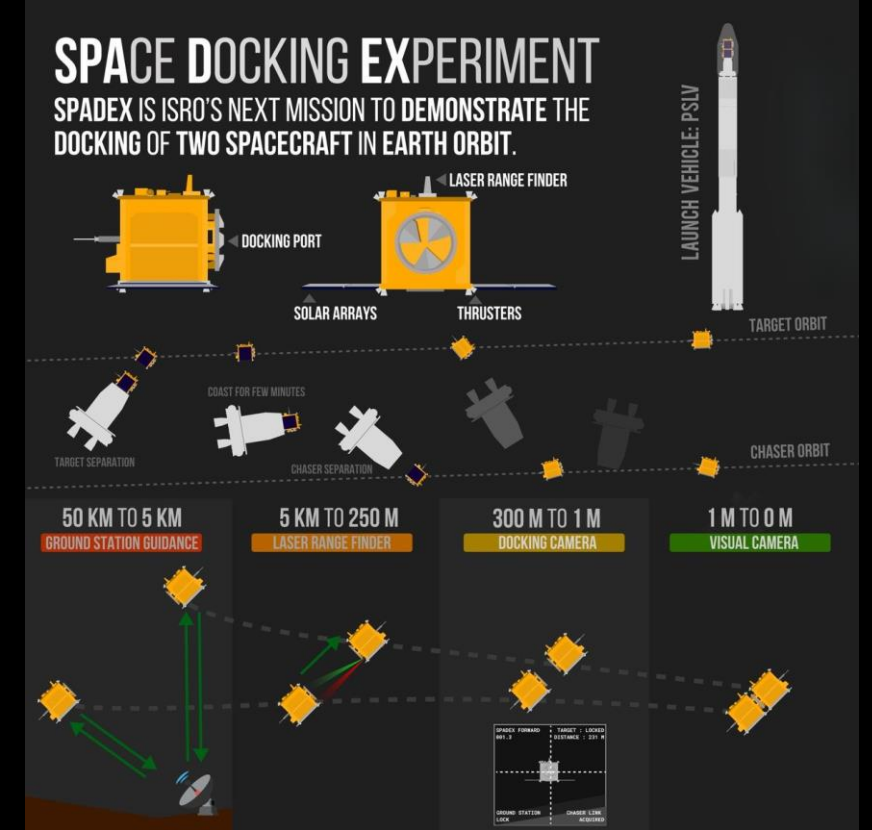
□ इस मिशन के द्वारा भारत अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यान को 'डॉक' और 'अनडॉक' करने की क्षमता को प्राप्त करना चाहता है।

□ **डॉकिंग :-** अंतरिक्ष में दो मॉड्यूल को एक-दूसरे से जोड़ने (Docking) की तकनीक को डॉकिंग कहा जाता है।

□ **अनडॉकिंग :-** जब अंतरिक्ष में दो अलग-अलग मॉड्यूल को एक साथ जोड़ने के बाद उन्हें दोबारा अलग किया जाता है तो इसे अनडॉकिंग कहा जाता है।

□ **क्यों उपयोगी है यह मिशन की सफलता:-**

1. भारत के आगामी महत्वाकांक्षी मिशनों की सफलता के लिए यह महत्वपूर्ण है।



2. चंद्रमा से नमूने वापस लाने के मिशन में यह निर्णायक भूमिका निभा सकता है

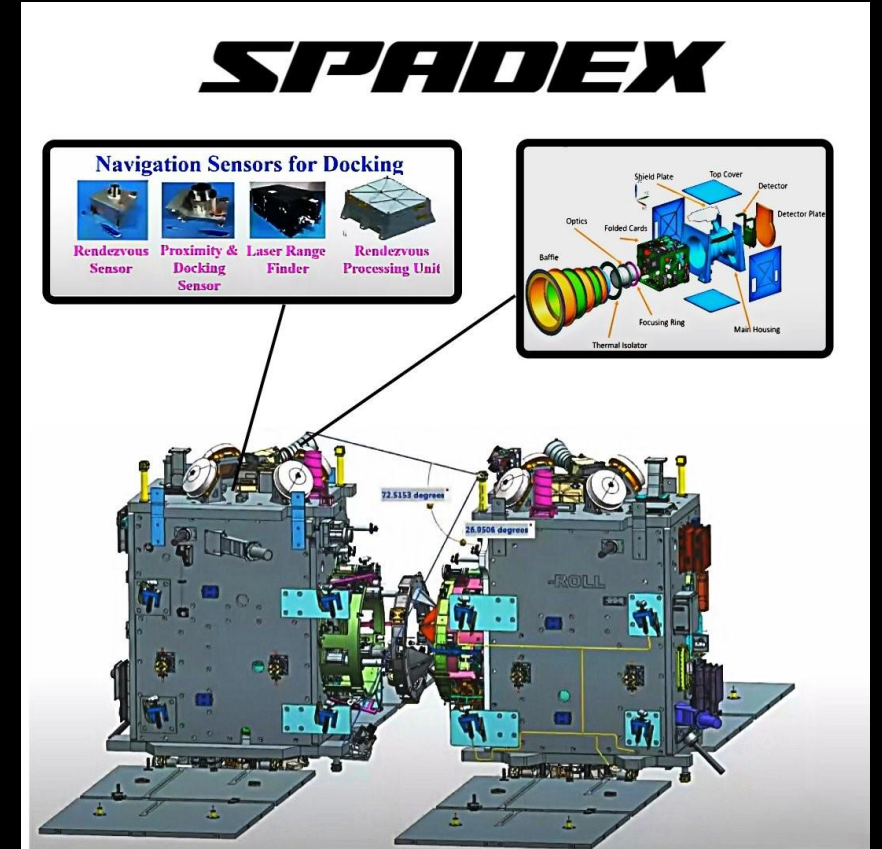
3. भारतीय अंतरिक्ष केंद्र (बीएस) के निर्माण में महत्वपूर्ण।

4. इसरो के गगनयान प्रोजेक्ट के तहत भविष्य में स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष स्टेशन से जोड़ने की तकनीक में मदद करेगा।

5. भविष्य में, इस तकनीक से स्पेसक्राफ्ट्स को ईंधन भरने, मरम्मत करने और अन्य वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकेगा।

□ मिशन के मुख्य घटक

□ SPaDEX में दो मॉड्यूल शामिल होंगे:



1. Chaser: यह डॉकिंग प्रक्रिया को संचालित करने वाला सक्रिय मॉड्यूल है।

2. Target: यह वह निष्क्रिय मॉड्यूल है जिससे Chaser जुड़ने की कोशिश करेगा।

□ महत्व

- यह भारत के लिए अंतरिक्ष विज्ञान में एक ऐतिहासिक कदम है।
- सफल होने पर यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में आत्मनिर्भरता बढ़ाएगा।
- यह मिशन अंतरराष्ट्रीय सहयोग और संयुक्त अंतरिक्ष अभियानों में भारत की भूमिका को मजबूत करेगा।



- ❑ पीएसएलवी (PSLV), जिसे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल कहा जाता है
- ❑ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा विकसित एक उपग्रह प्रक्षेपण यान है
- ❑ यह भारत का पहला ऐसा लॉन्च व्हीकल है, जो पोलर ऑर्बिट में उपग्रहों को स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है
- ❑ इसे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है
- ❑ **पीएसएलवी की मुख्य विशेषताएँ:**

1. उपयोगिता:

- ❑ यह मुख्य रूप से ध्रुवीय कक्षा (Polar Orbit) में उपग्रहों को स्थापित करने के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन यह जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) और लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में भी उपग्रह भेज सकता है



2. डिज़ाइन:

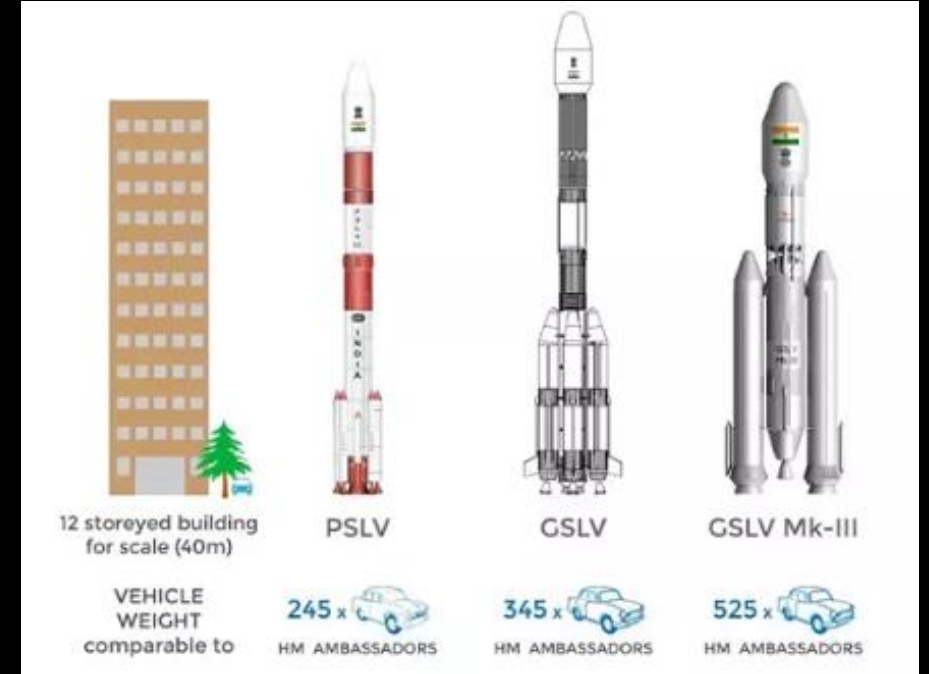
- ❑ यह एक चार-चरणीय (4-stage) लॉन्च व्हीकल है, जिसमें ठोस और तरल ईंधन दोनों का उपयोग होता है।
- ❑ इसका डिज़ाइन इसे विभिन्न प्रकार के उपग्रहों को विभिन्न कक्षाओं में भेजने की क्षमता प्रदान करता है।

3. पहली उड़ान:

- ❑ इसकी पहली सफल उड़ान 20 सितंबर 1993 को हुई थी।

4. प्रक्षेपण क्षमता:

- ❑ यह 1,750 किलोग्राम तक के उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा (SSO) में भेज सकता है।
- ❑ इसे छोटे और बड़े दोनों प्रकार के उपग्रहों को ले जाने के लिए उपयुक्त बनाया गया है।



5. उपलब्धियां:

- ❑ पीएसएलवी ने भारत के कई महत्वपूर्ण मिशनों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, जैसे कि चंद्रयान-1 (चंद्रमा पर), मार्स ऑर्बिटर मिशन (मंगलयान), और कार्टोसैट उपग्रह श्रृंखला।
- ❑ यह एक साथ कई उपग्रहों को लॉन्च करने में भी सक्षम है। 2017 में, पीएसएलवी ने एक बार में 104 उपग्रहों को लॉन्च करके विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

❑ महत्वपूर्ण मिशन:

1. चंद्रयान-1 (2008) - भारत का पहला चंद्र मिशन।
2. मार्स ऑर्बिटर मिशन (मंगलयान) (2013) - भारत का पहला मंगल मिशन।
3. RISAT, CARTOSAT, और NAVIC जैसे महत्वपूर्ण भारतीय उपग्रह।

ADITYA-L1 MISSION

• The first Indian space-based observatory-class solar mission

• To be launched by ISRO's PSLV XL rocket from Satish Dhawan Space Centre SHAR (SDSC-SHAR), Sriharikota

• Has to be deployed at L1 point where it can view the sun without any eclipse. L1 lies between Sun-Earth line

LAUNCH DATE: **2 Sep, 2023**

DISTANCE: **1.5 mn km** (from earth)

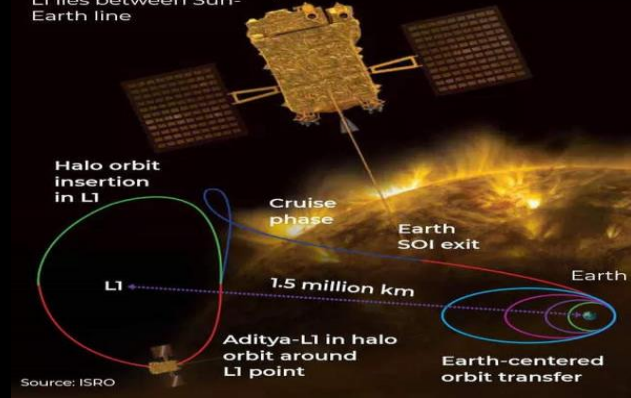
COST: **378.53 cr**

TIME: **4 months**

7 (VELC, SUIT, SoLEXS, HELIOS, PAYLOADS: ASPEX, PAPA, Digital Magnetometers)

MAJOR OBJECTIVES:

To understand corona, solar wind, solar atmosphere, sun flares, and near-earth space weather



□ पीएसएलवी को अपनी विश्वसनीयता और लागत-प्रभावशीलता के कारण "वर्कहॉर्स ऑफ ISRO" भी कहा जाता है।

□ PSLV से संबंधित प्रश्न UPSC Prelims

संभावित प्रश्न :- पीएसएलवी के कौन से संस्करण ने एक ही लॉन्च में सबसे अधिक उपग्रह प्रक्षेपित किए ?

(A) PSLV-C37

(B) PSLV-C11

(C) PSLV-C30

(D) PSLV-C25



शिवाजी स्टेच्यू नियर बॉर्डर

□ **Source :-** जागरण न्यूज

□ मराठा लाइट इन्फैंट्री के द्वारा लद्दाख में पैंगोंग झील के निकट वीर शिवाजी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया।

□ **उद्देश्य :-** भारतीय सेना के वीर जवानों को प्रोत्साहित करते हेतु।

□ छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा को 14,300 फीट की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है।

□ इससे पहले 2022 में भारतीय नौसेना के झंडे पर मराठा नौसेना के झंडे को भी लगाया गया था।

□ भारतीय नौसेना का नया ध्वज 2022 में पेश किया गया।

□ यह झंडा छत्रपति शिवाजी महाराज की समुद्र-शक्ति एवं नौसैनिक रणनीतियों की विरासत को व्याख्यात करता है।



□ नए ध्वज में प्रमुख बदलाव निम्नलिखित हैं:

1. छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रतीक: भारतीय नौसेना के नए ध्वज में छत्रपति शिवाजी महाराज के समय के नौसेना ध्वज के संकेत के रूप में उनका सम्मान किया गया है।

□ शिवाजी महाराज ने भारतीय समुद्रों में नौसैनिक शक्ति की नींव रखी थी और उन्होंने भारतीय जल-सीमा की सुरक्षा में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

2. केंद्रीय प्रतीक: ध्वज में अब भारतीय नौसेना का केंद्रीय प्रतीक है, जिसमें एक नीला रंग और "सारनाथ के सिंह" और "अशोक चक्र" का डिजाइन है। यह भारतीय नौसेना की परंपरा और शक्ति का प्रतीक है।

3. आधिकारिक और परंपरागत तत्वों का संगम: नए ध्वज में आधुनिकता और परंपरा का मिश्रण है।



- ❑ छत्रपति शिवाजी महाराज की महान नौसेनापति के रूप में प्रतिष्ठा को सम्मानित करते हुए, भारतीय नौसेना की शक्ति और गौरव को आधुनिक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।
- ❑ इस ध्वज को भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत और सुरक्षा के प्रति उसके समर्पण का प्रतीक माना जाता है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के नेतृत्व में स्थापित समुद्री शक्ति की परंपरा का पालन करता है।
- ❑ मराठा नौसेना भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण और शक्तिशाली नौसेना थी, जिसे छत्रपति शिवाजी महाराज ने 17वीं शताब्दी में स्थापित किया था।



□ यहां एक और अच्छा प्रश्न है, जो शिवाजी महाराज के प्रशासन और उनके सामरिक दृष्टिकोण पर आधारित है:

प्रश्न: शिवाजी महाराज की संप्रभुता और स्वराज्य की अवधारणा में निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व सबसे महत्वपूर्ण था?

- A) केवल धार्मिक स्वतंत्रता का संरक्षण
- B) एक मजबूत नौसेना का निर्माण और समुद्री मार्गों की रक्षा
- C) विदेशी आक्रमणकारियों के खिलाफ सैन्य संघर्ष
- D) केंद्रीय प्रशासन का निर्माण और प्रशासनिक सुधार

Rakhigarhi

UNVEILING THE LARGEST HARAPPAN SETTLEMENT IN HARYANA


Result Mitra

राखीगढ़ी

□ हाल ही में राखीगढ़ी से जल प्रबंधन तकनीक का पता चला।

□ विशेष :- राखीगढ़ी एक हड़प्पा सभ्यता का नगर है तथा यह प्राग तकनीक 5000 वर्ष पुरानी है।

□ हड़प्पाई स्थल

□ राखीगढ़ी में पिछले कुछ समय से उत्खनन का कार्य किया जा रहा है।

□ इस उत्खनन के अंतर्गत ही टीलों के बीच जल भंडारण क्षेत्र की खोज की गई है।

□ प्राग जल भंडारण क्षेत्र की गहराई 3.5 से 4 फीट (approx) है।

□ यह जल भंडारण क्षेत्र 5000 वर्ष पहले की उन्नत जल प्रबंधन तकनीकों को दर्शाता है।



□ इस ही खोज के साथ यहां से चौतांग (दशावती) नदी का सूखे हुए भाग की भी खोजा की गई है।

□ हड़प्पा सभ्यता से संबंधित यूपीएससी प्री परीक्षा के कुछ संभावित प्रश्न।

Q. हड़प्पा सभ्यता के व्यापार के बारे में सही कथन क्या है?

(a) हड़प्पा सभ्यता का व्यापार केवल भारतीय उपमहाद्वीप तक ही सीमित था।

(b) हड़प्पा सभ्यता के लोग समुद्र के रास्ते व्यापार करते थे।

(c) हड़प्पा सभ्यता का मुख्य व्यापार स्थल मक्का था।

(d) हड़प्पा सभ्यता का व्यापार मुख्य रूप से कृषि उत्पादों पर केंद्रित था।





तेल रिसाव और उसके समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले प्रभाव

चर्चा में क्यों :-

- हाल ही में तमाम तूफानों के कारण मनीला की खाड़ी वा अन्य क्षेत्रों में तेल टैंकर जैसे की 'एमटी टेरा नोवा' डूब गए।
- इस जहाज पर 1.4 मिलियन लीटर कच्चा तेल (Crude Oil) था।
- इस दुर्घटना में चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई, जबकि अन्य 16 लोगों को बचा लिया गया।

एमटी टेरा नोवा :-

- जहाज एमटी टेरा नोवा एक तेल टैंकर था जो फिलीपींस के इलोबलो शहर की ओर जा रहा था
- "टाइफून गेमी" के कारण खराब मौसम होने के कारण यह जहाज मनीला की खाड़ी में पलट गया।
फैल गया है।

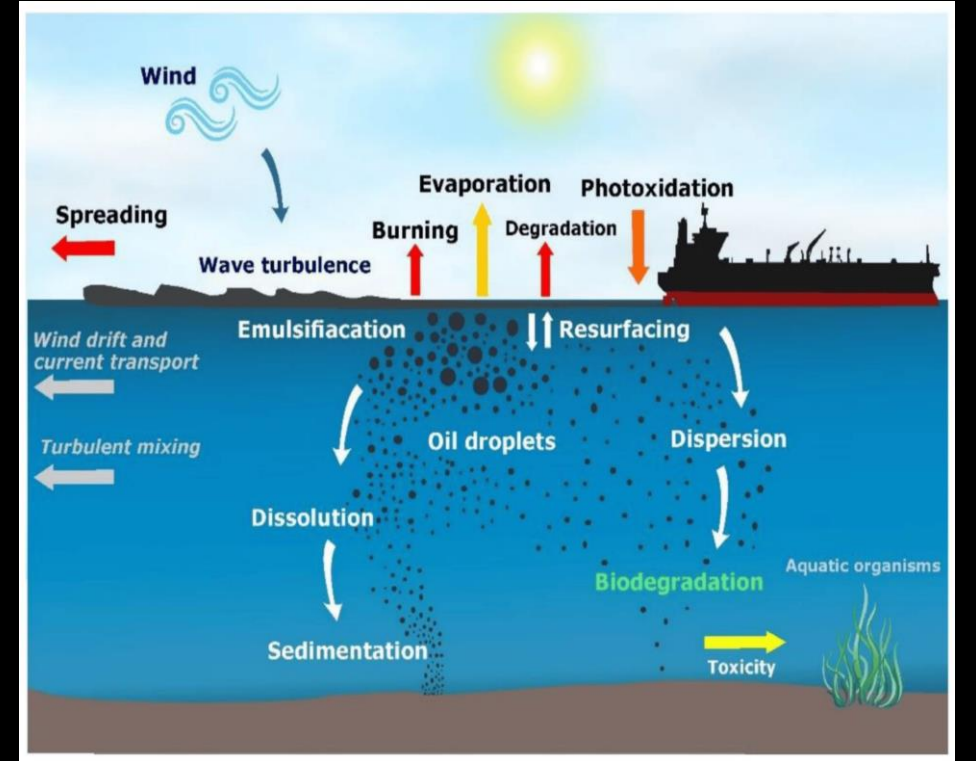


□ मनीला की खाडी में मौजूद समुद्री जीवन और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

□ तेल रिसाव की क्षति को कम करने के लिए तटरक्षक बल (Coast Guard) एवं अन्य एजेंसियां रोकथाम बूम और स्कीमर तैनात कर रही हैं।

□ 'बूम' :- ये प्लास्टिक या अन्य हल्की धातु सामग्री से बने होते हैं जिससे ये पानी में ऊपर तैरते रहते हैं जिससे समुद्री सतह पर तेल का प्रसार अधिक क्षेत्र में नहीं हो पाता और जो विस्तार होता भी है उसकी गति काफी धीमी होती है।

□ 'स्किमर्स' :- छोटी नावें (Boats) होती हैं, जो पानी की सतह से तेल निकालकर उन्हें पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील समुद्री क्षेत्र तक फैलने से रोकती हैं।



समुद्री सतहों पर तेल रिसाव के कारण

□ तेल रिसाव के प्रमुख कारणों में टैंकरों, ड्रिलिंग रिग, पाइपलाइनों, अपतटीय प्लेटफार्मों, रिफाइनरियों, तेल कुओं से जुड़ी दुर्घटनाएं, प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय त्रुटि या अन्य कारण से हो सकता है।

□ तेल को लोड और अनलोड करते समय भी तेल रिसाव होता है।

तेल रिसाव के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव :-

□ यह पानी की सतह पर तेजी से फैलकर एक परत (Layer) बना देता है।

□ पानी की सतह पर तेल की यह परत (Layer) सूर्य की प्रकाश को समुद्री पौधे जैसे शैवाल तक पहुंचने से रोकता है।



□ जिस कारण समुद्री पौधों और फाइटोप्लांकटन में प्रकाश संश्लेषण की गतिविधि सही ढंग से नहीं हो पाती है, जो समुद्री पानी में ऑक्सीजन उत्पादन को बाधित करता है। जिस कारण समुद्री पौधे धीरे-धीरे खत्म हो जाते हैं।

□ **फाइटोप्लांकटन या पादप प्लवक :-** ये स्वपोषी (Autotrophs) समुद्री पौधा है जो महासागर और मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

□ समुद्री जीव विशेषकर ऐसे जीव जो समुद्र के उपरी सतह के पास रहते हैं, समुद्री सतह पर तेल के रिसाव से उत्पन्न विषाक्त जोखिम से ज्यादा प्रभावित होते हैं।

□ समुद्री सतह पर तेल रिसाव पक्षियों एवं स्तनधारियों को काफी प्रभावित करता है।



□ समुद्री सतह का तेल जब पक्षियों के पंखों और स्तनधारियों के फर में प्रवेश करता है तो इनकी इन्सुलेशन क्षमता यानि तापमान के प्रति संवेदनशीलता लगभग खत्म हो जाती है।

□ समुद्री सतह पर तेल का फैलाव समुद्री मछली और अकशेरुकी जीवों के प्रजनन और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करता है।

□ तेल के सेवन से समुद्री जीवों में निर्जलीकरण की प्रक्रिया तेज हो जाती है एवं उनकी पाचन क्रिया बाधित हो जाती है।

वायु प्रदूषण

□ समुद्री सतह पर तेल का फैलाव उसके आस-पास की वायु की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है।



□ कच्चे तेल में जहरीले रसायन होते हैं इसमें ज्यादातर रसायन हाइड्रोकार्बन होते हैं, जिसमें :- बेंजीन, टोल्यूनि, पॉली-एथेनैटिक हाइड्रोकार्बन और ऑक्सीजन युक्त पॉलिसाइक्लिक एथेनैटिक हाइड्रोकार्बन ।

□ जब ये जहरीले हाइड्रोकार्बन रसायन वाष्पीकृत होते हैं तो ये वायुमंडल में आक्सीडेंट द्वारा आक्सीकृत होकर महीन जहरीले कण वायुमंडल में फैलाते हैं, जो मानव शरीर के फेफड़े में पहुंचकर उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं।

□ तेल रिसाव को साफ करना काफी चुनौतीपूर्ण है।

□ समुद्री सतहों पर समुद्र की लहरें और तेज धाराओं के कारण तेल तेजी से फैलता है, जो तेल रिसाव के सफाई के प्रयास को और भी जटिल बनाती है।



□ तेलों के विभिन्न प्रकार के कारण कुछ तेल पानी के साथ घुल-मिल जाते हैं या पायसीकृत हो जाते हैं, जो पृथक्करण को कठिन बना देते हैं।

तेल-रिसाव का पर्यावरण पर दीर्घकालीन प्रभाव

□ तेल रिसाव का फैलाव समुद्री जानवरों की आबादी को खत्म कर सकता है।

□ समुद्री खाद्य श्रृंखला को विषाक्त बनाकर मानव रहित विभिन्न जीव समुदायों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है।

□ खाद्य श्रृंखला विषाक्त होने के कारण दीर्घकालीन स्वास्थ्य समस्याएं और जैव विविधता में कमी ला सकती है जो संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकता है।



□ समुद्री सतहों पर तेल रिसाव पहले से खतरे वाली मेंग्रोव, मूंगा चट्टानों और दलदली भूमि जैसे तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए और अधिक जोखिम उत्पन्न कर सकता है।

□ समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने और पर्यटन पर निर्भर समुदायों के लिए यह आर्थिक संकट उत्पन्न कर सकता है।

तेल रिसाव की पूर्व की घटनाएं :

□ 1989 :- एक्सॉन वाल्डेज रिपल घटना,

□ अलास्का की खाड़ी से प्रिंस विलियम साउंड तक लगभग 11 मिलियन गैलन कच्चे तेल का रिसाव हुआ था।

□ वर्ष 1956 से वर्ष 2006 के बीच :-

□ नाइजर डेल्टा में 1.5 मिलियन टन तेल का रिसाव हुआ।



□ वर्ष 1970 से 2000 के बीच :-

□ लगभग 7000 से अधिक तेल रिसाव की घटना हुई

□ Im घटनाओं में अलास्का, मैक्सिको की खाड़ी, गैलापागोस द्वीप समूह, सुंदरवन, ओगोनिलैंड सहित कई वैश्विक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तेल रिसाव संबंधी अध्ययन :

□ अमेरिकी पर्यावरण एजेंसी (EPA) के अनुसार अब तक हुए विभिन्न तेल रिसाव की घटना से :-

□ लगभग 2.5 लाख समुद्री पक्षी, 2800 समुद्री उदबिलाव, 300 हार्बल सील, 200 गंजा ईगल, 22 किलर व्हेल सहित अरबों सैल्मन और हेरिंग के अंडे मारे जा चुके हैं।



□ संयुक्त राज्य भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के अध्ययन के अनुसार तेल रिसाव की घटना से समुद्री तलछट में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे मछलियों की आबादी में लगातार गिरावट आ रही है तथा समुद्री घास के जंगलों और अन्य आवासों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।



THANK YOU



@resultmitra / 8650457000



@resultmitra



@resultmitra



Result

